चेतावनी!

5G का मतलब स्वास्थ्य का सर्वनाश

कई वैज्ञानिकों का कहना है कि सेल फोन विकिरण हानिकारक है - 5G से होने वाली हानियाँ और भी अधिक घातक हैं ।

वायरलेस प्रौद्योगिकियों की प्रगति - 5G रेडिएशन 4G से बहुत बड़ी छलांग है

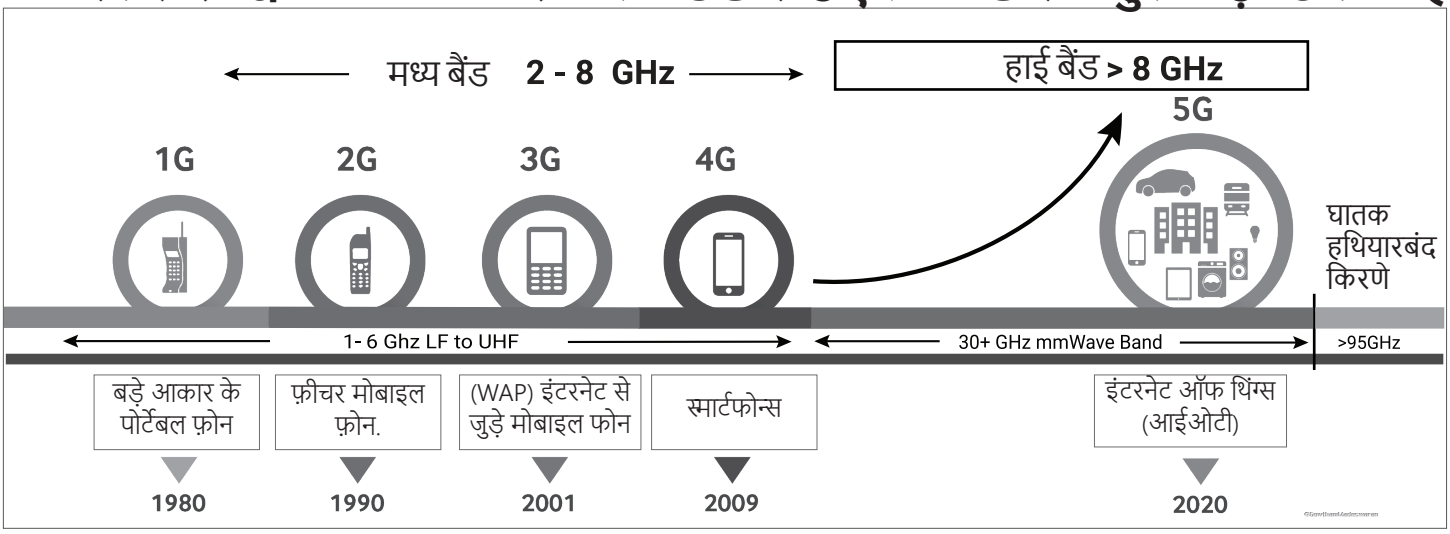

1G से 4G तक की प्रगति या की कहें दुर्गति धीरे-धीरे हुई है। उपरोक्त छवि से आप उस किरण की बैंडविड्थ को देख सकते हैं जिसमें यह संचालित होती है। हालाँकि, 5G में भविष्य में 24-28 GHz की बैंडविड्थ और इससे भी अधिक बैंडविड्थ जोड़ने का प्रस्ताव है। इस प्रकार हम चाहे या न चाहे, 5G प्रौद्योगिकी में एक बड़ा बदलाव है । भारत सरकार के आरटीआई जवाब के अनुसार, मानव शरीर , मधुमक्खियों और पक्षियों पर 5G जी से दीर्घकालीन सुरक्षा पर कोई अध्ययन नहीं हुआ है।

वायरलेस तकनीकें कई स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी हैं

मनुष्य पर प्रभाव

5G से पहले भी, वायरलेस तकनीक का अत्यधिक संपर्क गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण साबित हुआ है जैसे

- मस्तिष्क कैंसर
- स्तन कैंसर
- अनियमित दिल की धड़कन
- उच्च रक्तचाप
- अनिद्रा
- बांझपन
- टिनिटस - कानों में घंटियाँ बजना
- मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं
- .....और भी कई

अनियमित दिल की धड़कन | **थकान और अनिद्रा** | **मानसिक स्वास्थ्य** | **मतली और उच्च रक्तचाप** | **कैंसर और ट्यूमर**

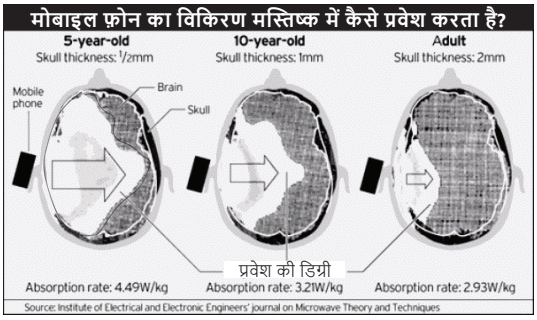

बच्चों के मस्तिष्क को ख़तरा

- बच्चों की खोपड़ी पतली और सिर छोटा होता है।
- विकिरण उनके मस्तिष्क में अधिक गहराई तक प्रवेश कर सकता है।
- युवा लोगों में अधिक कोशिकाएं ऐसी होती हैं जो तेजी से विभाजित होती हैं और ऊतक बढ़ रहे होते हैं, और चूंकि उनका जीवनकाल लंबा होता है इसलिए कैंसर को विकसित होने के लिए अधिक समय मिल जाता है।

5G के क्रियान्वयन को रोकें।

इस दस्तावेज को डाउनलोड करें और अपने क्षेत्र में उपयुक्त सार्वजनिक प्राधिकरणों जैसे लोक निर्माण विभाग, दूरसंचार विभाग, जैव विविधता, पंचायत और नगर निगमों में जमा करें।

AIM Awaken India Movement
awakenindiamovement.com

कॉल करें : +91 9076188139/ 8828949323/ 8830398392/ 9665376628/ 9321232620

टेलीग्राम पर जुड़ें : https://t.me/awakenindiamovement

मिलीमीटर तरंगें - सैन्य ग्रेड प्रौद्योगिकी

आज के सेलुलर और वाई-फाई नेटवर्क आरएफ-ईएमआर माइक्रोवेव पर निर्भर हैं - एक प्रकार का विद्युत चुम्बकीय विकिरण जो आवाज, दस्तावेज , छवि, इंटरनेट या वीडियो डेटा को वायरलेस तरीके से प्रसारित करने के लिए 6 गीगाहर्ट्ज (गीगाहर्ट्ज) तक की फ्रीक्वेंसीज़ का उपयोग करता है।

हालाँकि, 5G में 600 मेगाहर्ट्ज से 86 गीगाहर्ट्ज और उससे अधिक की उच्च फ्रीक्वेंसी रेंज में मिलीमीटर और उप-मिलीमीटर तरंगों का उपयोग करते हुए नए स्पेक्ट्रम बैंड के व्यापक उपयोग की परिकल्पना की गई है - ताकि डेटा को अति तेज दरों से प्रसारित किया जा सके। जितना अधिक डेटा संचारित होगा, लोगों का आरएफ-ईएमआर से संपर्क उतना ही अधिक होगा।

रक्षा विभाग, यूएसए ने एक आरएफ-ईएमआर भीड़-नियंत्रण हथियार विकसित किया है जिसे एक्टिव डेनियल सिस्टम (एडीएस* सक्रिय डेनियल प्रणाली) कहा जाता है। एडीएस लोगों पर 95 गीगाहर्ट्ज़ तरंगों की एक उच्च-शक्ति वाली किरण फेकने का काम करता है - यानी, एक मिलीमीटर तरंग दैर्ध्य वाला हथियार - नए 5 जी इंस्टॉलेशन के लिए उपयोग की जा रही मिलीमीटर तरंगों के समान है ।

आरएफ-ईएमआर किरण में फंसे किसी भी व्यक्ति को ऐसा महसूस होगा जैसे उनकी त्वचा बहुत ज्यादा जल रही है। एक बार जब लक्ष्य किरण छोड़ देता है तो जलन बंद हो जाती है। यह हथियार 95GHz तरंगों पर काम करता है और 5G भी इसी तरह की फ्रेक्वेंसिस पर काम करेगा।

विज्ञापनों पर तथ्य पत्रक **(FACT SHEET)**

पूरा लेख पढ़ें

माइक्रोवेव विकार

माइक्रोवेव विकार के लक्षण सिरदर्द, थकान, अनिद्रा, अवसाद आदि हैं। पहले स्वस्थ लोगों में, अपने घर के पास 5G बेस स्टेशन की स्थापना के बाद माइक्रोवेव विकार विकसित होते है। ये लक्षण किसी अन्य स्थान पर जाने के बाद गायब हो जाते हैं जो क्षेत्र 5G के संपर्क में नहीं है।

5G मधुमक्खियों को मारता है

5G मधुमक्खियों को मारता है और पक्षियों को नुकसान पहुँचाता है। 5 जी जैसे विद्युतचुम्बकीय विकिरण मधुमक्खियों की संचरन क्षमताओं को बाधित करते हैं और उन्हें उनके छत्ते तक पहुंचने से रोकते हैं। इसी प्रकार विद्युत चुम्बकीय विकिरण प्रवासी पक्षियों की संचरन क्षमताओं को भी बाधित करता है।

क्या आपने हवाना विकार के बारे में सुना है?

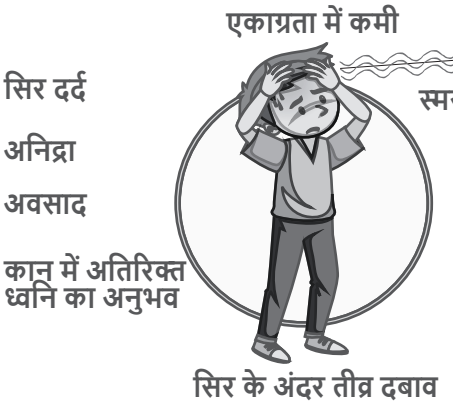

मधुमक्खियाँ नहीं - तो परागण नहीं,

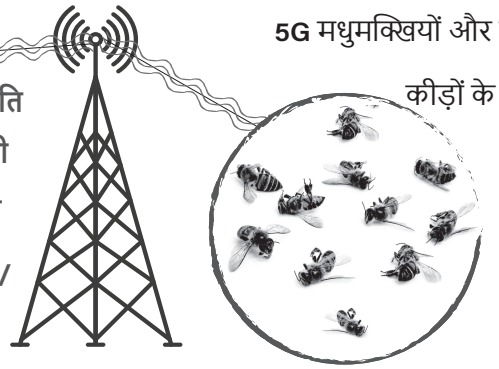

5G मधुमक्खियों और पक्षियों की नौवहन क्षमताओं में हस्तक्षेप करता है|
कीड़ों के शरीर का तापमान बढ़ जाता है|

मधुमक्खियाँ नहीं,
तो परागण नहीं,
कोई पौधा नहीं,
कोई और जानवर नहीं,
और ना ही इंसान
- अल्बर्ट आइंस्टीन

विद्युत चुम्बकीय विकिरण के हानिकारक प्रभावों का व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है।

- ईएमएफ-पोर्टल्स पर लगभग **30,000** अध्ययन सूचीबद्ध हैं
- विभिन्न देशों के कई शोधकर्ताओं की जैविक-पहल रिपोर्ट में **5G** और मिलीमीटर तरंगों से जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों को सूचीबद्ध किया गया है।
- **5G** स्पेक्ट्रम फ्रंटियर्स के विरोध में डॉ. येल स्टीन एमडी की ओर से यूएस फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन को पत्र

अधिक पढ़ने के लिए स्कैन करें

EMF Portal **Bio-Initiative** **Dr. Yael Stein**

राजस्थान हाई कोर्ट का फैसला

मोबाइल टावरों को स्वास्थ्य के लिए खतरा मानते हुए, न्यायालय ने दिनांक 27.11.2012 के एक फैसले (पीआईएल याचिका संख्या 2774/2012 और याचिका संख्या 8697/2012) में राज्य में कार्यरत दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को स्कूल, अस्पताल और खेल के मैदान के आसपास पड़ने वाले अपने टावरों को हटाने का निर्देश दिया।

अभी कदम उठाएं! - पत्र डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

अनाधिकृत मोबाइल टावरों को हटाने हेतु पत्र

अधिकारियों को भेजने के लिए आपत्ति पत्र।

5G आपका मित्र नहीं है, 5G का प्रसार रोकें।